

ग्रसा ध।रण

EXTRAORDINARY

भाग --सण्ड 3--उपखण्ड (11)

PART II -- Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 368]

नई विल्ली, सोमवार, सितम्बर 15, 1975/भाद्र 24, 1897

No. 368]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 15, 1975/BHADRA 24, 1897

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रह्म संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th September 1975

S.O. 516(E).—The following Order made by the President is published for general information:—

THE ADAPTATION OF SIKKIM LAWS (No. 1) AMENDMENT ORDER, 1975

In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 371F of the Constitution, the President hereby makes the following Order to amend the Adaptation of Sikkim Laws (No. 1) Order, 1975, namely:—

- 1. (1) This Order may be called the Adaptation of Sikkim Laws (No. 1) Amendment Order, 1975.
 - (2) It shall be deemed to have come into force on the 26th day of April, 1975.
- 2. In the Adaptation of Sikkim Laws (No. 1) Order, 1975, paragraph 5 shall be renumbered as sub-paragraph (1) of that paragraph and after the sub-paragraph as so renumbered, the following sub-paragraph shall be inserted, namely:---
 - "(2) Notwithstanding the direction in the Second Schedule for the omission of section 11 of the High Court of Judicature (Jurisdiction and Powers)

 Proclamation of 1955, every memorial petition for the review of any cost

under that section pending immediately before the commencement of this Order shall, on such commencement, stand transferred to the High Court and the High Court shall dispose of such petition as if such petition were an application for review made to it.".

FAKHRUDDIN ALI AHMED, President.

> [No. F.19(6)/75-L.I.] K. K. SUNDARAM, Secy.

विधि, स्याय भौर कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विषायी विभाग)

श्रधिसू चना

नई दिल्ली. 15 सितम्बर, 1975

का॰ मा॰ 516 (म).—-राष्ट्रपति द्वारा किया गया निम्निखित मादेश सर्वसःधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है:---

सिक्किम विभियों का समुकूलन (संख्या 1) (संशोधन) साबेश, 1975

राष्ट्रपति, संविधान के श्रनुच्छेद 371च के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सिक्किम विधियों का श्रनुकूलन (संख्या 1) श्रादेश, 1975 का संशोधन करने के लिए निम्न-लिखित श्रादेश करते हैं, शर्यात:—

- (1) इस आदेश का नाम सिविकम विधियों का अनुकूलन (संख्या 1) संशोधन आदेश,
 1975 है।
 - (2) ये 1975 की अप्रैल के छब्बीसर्वे दिन प्रवृत्त हुन्ना समधा जाएगा।
- 2. सिक्किम विधियों का अनुकूलन (संख्या 1) आदेश, 1975 का पैरा 5 उस पैरा के उप पैरा (1) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्याकित उप पैरा के पश्चात निम्तलिखित उप पैरा जोड़ा जाएगा, प्रथात :—
 - "(2) द्वितीय अनुसूची में, उच्च न्यायालय (ग्रिधिकारिता ग्रीर भिषतियां) उद्-घोषणां, 1955 की धारा 11 का लोप किए जाने के लिए निदेश के होते हुए भी, उस धारा के अधीन किसी मामले के पुनिवलोकन के लिए, इस आदेश के आरम्भ के ठीक पूर्व लम्बित प्रत्येक अभ्यावेदन याचिका, ऐसे आरम्भ पर, उच्च न्यायालय को अन्तरित हो जाएगी श्रीर उच्च न्यायालय ऐसी याचिक को उसी प्रकार से निष्पादित करेगी माना कि ऐसी याचिका उसके समक्ष पुनिवलोकन के लिए किया गया श्रावेदन था।"।

फखरहीन ब्रली ब्रह्मद,

राष्ट्रधित ।

[सं० फा० 19 (6)/75-वि० I)] के० के० सुन्दरम्, सचिव I